भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 388

सोमवार, 5 फरवरी, 2024/16 माघ, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में नए पर्यटन स्थलों की पहचान करना

388. श्री निहाल चन्द चौहान:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा राजस्थान में विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्रों में किन्हीं नए पर्यटन स्थलों के विकास पर विचार किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत दो वर्षों के दौरान राजस्थान सहित देश में ऐतिहासिक धरोहर स्थलों के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार ने उक्त ऐतिहासिक धरोहर स्थलों के संरक्षण के लिए अलग से बजट का प्रावधान किया है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): यद्यपि पर्यटन अवसंरचना के विकास का कार्य मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों (एसजी)/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों (यूटीए) द्वारा किया जाता है तथापि पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के अंतर्गत राजस्थान सहित देश में पर्यटन अवसंरचना और पर्यटक अनुभवों में वृद्धि के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों आदि को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

मंत्रालय ने 'केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक अपनी योजना के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में 17.68 करोड़ रु. की राशि से 'सीमा सुरक्षा बल चेक पोस्ट, तनोट परिसर में सीमावर्ती पर्यटन का विकास' परियोजना को स्वीकृति दी है। ऊपर उल्लिखित योजनाओं के अंतर्गत राजस्थान राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है और राजस्थान की राज्य सरकार के परामर्श से एसडी 2.0 के तहत विकास हेतु 'बूंदी' (केशोरायपाटन) और 'जोधपुर' को गंतव्यों को रूप में चिह्नित किया है। इसके अतिरिक्त प्रशाद योजना के

अंतर्गत विकास हेतु 'श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर जिला' और 'सूर्य मंदिर', बूढ़ाहिता, कोटा जिला' को चिह्नित किया गया है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) राजस्थान सहित देश में केन्द्र द्वारा संरक्षित 3697 स्मारकों/स्थलों के संरक्षण का कार्य करता है। संरक्षण एवं परिरक्षण एक सतत प्रक्रिया है और एएसआई इस संरक्षण कार्यक्रम के लिए निर्दिष्ट समुचित व्यय करता है। राजस्थान राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के क्षेत्राधिकार में केन्द्र द्वारा संरक्षित 163 स्मारक हैं। राजस्थान में और विशेष रूप से इसके सीमावर्ती क्षेत्रों में एएसआई द्वारा किसी नए पर्यटन स्थल को चिह्नित नहीं किया गया है। इस उद्देश्य के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा अलग से कोई बजटीय प्रावधान नहीं किया गया है।

****

अनुबंध

श्री निहाल चन्द चौहान द्वारा राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में नए पर्यटन स्थलों की पहचान करना के संबंध में दिनांक 05.02.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या **388** के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन, प्रशाद तथा केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता योजनाओं के अंतर्गत राजस्थान में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:- **(राशि करोड़ रु. में)**

क्र.सं.	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
स्वदेश दर्शन			
1.	मरुस्थल परिपथ 2015-16	सांभर लेक टाऊन और अन्य स्थलों का विकास	50.01
2.	कृष्ण परिपथ 2016-17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटू श्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास	75.80
3.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	चुरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोद के बालाजी, घाट के बालाजी, बांधे के बालाजी) - विराटनगर (बिजक, जैन्नासिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कमान क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंद)- मेहंदीपुर बालाजी- चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	87.05
4.	विरासत परिपथ 2017-18	विरासत परिपथ का विकास: राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किला में अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) जैसलमेर (जैसलमेर किला) हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी)- उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफ़र और पुरानी छावनी) - नागौर (मीराबाई स्मारक, मेड़ता) -टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास	70.61
प्रशाद			
5.	2015-16	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	32.64
केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता योजनाएं			
6.	2022-23	सीमा सुरक्षा बल चेक पोस्ट, तनोट परिसर में सीमा पर्यटन का विकास	17.68
7.	2023-24	नवलसागर झील, बूंदी में म्यूजिकल फाउंटेन और वाटर स्क्रीन मल्टीमीडिया आधारित प्रोजेक्शन शो की स्थापना	9.26

****